भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या †1424
उत्तर देने की तारीख 09 फरवरी, 2026
20 माघ, 1947 (शक)

खेलो इंडिया योजना का आवंटन और उसकी प्रगति

†1424 श्री संजय उत्तमराव देशमुखः

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले पांच वर्षों और चालू वर्ष के दौरान खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत आवंटित धनराशि का वर्ष -वार और राज्य/क्षेत्र-वार, विशेषकर महाराष्ट्र के संबंध में, ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त अवधि के दौरान खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत उपयोग की गई धनराशि का खेल -वार और अन्य कार्य-वार, विशेष रूप से महाराष्ट्र के संदर्भ में, ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त परियोजना के अंतर्गत महाराष्ट्र में विशेष रूप से वाशिम यवतमाल लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के संबंध में वर्तमान में संचालित योजनाओं की संख्या का जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या खेलो इंडिया के अंतर्गत बुनियादी ढांचे के विकास या खिलाड़ियों को सहायता के लिए महाराष्ट्र राज्य सरकार का कोई प्रस्ताव सरकार के पास लंबित है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है,

(ङ) पारंपरिक और स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देने के साथ-साथ जमीनी स्तर पर खेलों को मजबूत करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं/ उठाए जा रहे हैं और उनका ब्यौरा क्या है; और

(च) इस योजना के अंतर्गत खिलाड़ियों के चयन के साथ-साथ क्षेत्रीय संतुलन सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/ उठाए जा रहे हैं, उनका ब्यौरा क्या है?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) और (ख) इस मंत्रालय में खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत धनराशि राज्य /संघ राज्य क्षेत्र-वार नहीं, स्कीम-वार आवंटित की जाती है। विगत पांच वर्ष और चालू वर्ष के दौरान महाराष्ट्र राज्य

सहित देशभर में खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत आवंटित धनराशि और किए गए व्यय का विवरण निम्नानुसार है:

(राशि करोड़ रुपये में)

वित्तीय वर्ष	आवंटित धन	किया गया व्यय
2020-21	328.77	338.06
2021-22	869.00	764.29
2022-23	600.00	596.39
2023-24	880.00	872.20
2024-25	746.54	620.75
2025-26	700.00	628.91 (दिनांक 15.01.2026 की स्थिति के अनुसार)

(ग) खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत महाराष्ट्र राज्य सहित देश भर में खेल अवसंरचना, खेलो इंडिया केंद्र (केआईसी), खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र (केआईएससीई) और खेलो इंडिया मान्यता प्राप्त अकादमियां (केआईएए) जैसी सभी खेल सुविधाओं का विवरण मंत्रालय के डैशबोर्ड https://dashboard.kheloindia.gov.in पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।

(घ) राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों तथा अन्य पात्र संस्थाओं से परियोजना प्रस्ताव प्राप्त होना एक सतत प्रक्रिया है। खेलो इंडिया स्कीम अपने आवंटित बजट में गतिविधियां/कार्यक्रम के लिए देशभर की ज़रूरतों को पूरा करती है। राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारों तथा अन्य पात्र संस्थाओं से प्राप्त प्रस्तावों पर उनकी पूर्णता, तकनीकी व्यवहार्यता और स्कीम के अंतर्गत धनराशि की उलब्धता के आधार पर वित्तीय सहायता हेतु विचार किया जाता है।

(ड.) और (च) 'खेल' राज्य का विषय होने के कारण, खेलों के विकास की जिम्मेदारी राज्य की है, जिसमें पारंपरिक और देसी खेलों को बढ़ावा देने के साथ-साथ ज़मीनी स्तर के खेलों को मज़बूत करना और खिलाड़ियों का चयन करना, साथ ही क्षेत्रीय संतुलन सुनिश्चित करना, मुख्य रूप से राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों का काम है। केंद्र सरकार ज़रूरी कमियों को पूरा करके उनकी कोशिशों में मदद करती है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय महाराष्ट्र राज्य सहित देश में खेलों के विकास के लिए ये योजनाएँ लागू करता है :

(i) खेलो इंडिया - राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम;
(ii) राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) को सहायता;
(iii) अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में पदक विजेताओं और उनके कोचों को नकद प्रोत्साहन;
(iv) राष्ट्रीय खेल पुरस्कार;

(v) मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन;
(vi) खिलाड़ियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण कार्यक्रम;
(vii) राष्ट्रीय खेल विकास निधि;
(viii) भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के माध्यम से खेल प्रशिक्षण केंद्रों का संचालन; और
(ix) राष्ट्रीय खेल विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर)।

उपरोक्त स्कीमों का विवरण इस मंत्रालय तथा भारतीय खेल प्राधिकरण की वेबसाइटों पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।

खेलो इंडिया स्कीम के "प्रतिभा पहचान और विकास" उप-घटक के अंतर्गत महाराष्ट्र राज्य सहित देशभर में जमीनी स्तर पर खेल प्रतिभाओं की पहचान एवं उनके पोषण का कार्य किया जाता है। इसके अतिरिक्त, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई), जो युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संगठन है महाराष्ट्र राज्य सहित देशभर में साई प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी) तथा देशज खेल और मार्शल आर्ट्स (आईजीएमए) स्कीमों का क्रार्यान्वयन करता है ताकि विभिन्न आयु वर्गों में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें विकसित किया जा सके।

इसके अतिरिक्त, खेलो इंडिया स्कीम के "ग्रामीण एवं देशज/जनजातीय खेलों का संवर्धन" उप-घटक को विशेष रूप से देश में पारंपरिक खेलों के विकास हेतु समर्पित किया गया है। इस मंत्रालय द्वारा खेलो इंडिया स्कीम के अंतर्गत मल्लखंब, कलारीपयट्टु, गतका, थांग-टा, योगासन तथा सिलंबम जैसी देशज/पारंपरिक खेल विधाओं को संवर्धन हेतु पहचाना गया है।

*****